संपादक के नोट

मैं इच्छा करती हूँ कि यह क्रिसमस का मौसम मेरे सभी पाठकों के लिए बड़ी खुशी लाएगा, मेरे रोस ऑफ़ शेरोन परिवार और मेरे दुनिया भर के सभी प्रिय मित्र। हमारी आशीषें जो हमें हमारे प्रभु येशु मसीह के द्वारा है, आप और आपके परिवारों के साथ हो।

येशु जो मरियम के माध्यम से शरीर में पैदा हुआ था, तुम्हारे हृदय में पैदा हो रहा है, सच्चा क्रिसमस है। मुझ में रहने वाले येशु की महिमा का विश्वास मुझे उसका सन्तान बना देती है और उसे मेरा पिता। इसलिए हम आनन्द से क्रिसमस मनाए।

१ तीमुथियुस ३:१६ – और निस्सन्देह भक्ति का भेद बड़ा गम्भीर है – वह जो शरीर में होकर प्रकट हुआ, आत्मा द्वारा धर्मी प्रमाणित हुआ, स्वर्गदूतों को दिखाई दिया, ग़ैरयहूदियों में उसका प्रचार हुआ, जगत में उस पर विश्वास किया गया और महिमा में ऊपर उठा लिया गया। जब आप अपने दिल में येशु को प्राप्त करते हैं, तुम्हें और तुम्हारे परिवारों के जीवन में अपमान, आलोचनाएं और क्लेश जैसे कई तरह के समस्याएं प्राप्त होगी। डरो मत, क्योंकि तुम सभी आशिषित लोग हैं।

जैसे मरियम ने अपने आप को प्रभु के लिए भेंट दी, उसी प्रकार प्रेरित पौलुस ने खुद की भेंट चढ़ाई। गलातियों ४:१९ – हे मेरे बच्चो, जब तक तुम में मसीह का रूप न बन जाए, मैं तुम्हारे लिए प्रसव की सी पीड़ा में हूँ। इतना ही नहीं, उसने बहुतों को मसीह के पास लाने के लिए बहुत कड़ी मेहनत की। मेरे प्रिय लोगों, तुम्हें भी प्रार्थना में कड़ी मेहनत करनी चाहिए, जैसे पौलुस ने बहुतों को मसीह के पास लाने के लिए किया।

जैसे समय बीत जाता है और वर्ष का अंत निकट है, सतर्क और तैयार रहना क्योंकि मसीह का आना निकट है। प्रकाशितवाक्य २२ में, अंत में मनुष्य के पुत्र के दिल से आवाज़ बाहर आता है। प्रकाशितवाक्य २२:२० – जो इन बातों की साक्षी देता है, वह यह कहता हैरू "हां, मैं शीघ्र आने वाला हूँ।" आमीन। हे प्रभु येशु आ! इस दुनिया में, सभी धर्मी लोग का कहना है ₹यीशु जल्दी आ₹। श्रेष्ठगीत ४:१४ – मेरे प्रियतम, सुगन्धद्रव्यों के पर्वतों पर जवान मृग के समान शीघ्रता कर। दूसरी ओर, हमारा प्रभु हमे शीघ्रता करके कहता है; ₹मेरे अती प्रिय और सुन्दरी, उठो और आओ"। हम हमारे प्रभु के आने का संकेत देख सकते हैं। श्रेष्ठगीत २:१२–१४ – भूमि पर फुल खिल चुके है।

दाखलताओं की छंटनी का समय आ चुका है, और हमारे देश में पण्डुक की बोली सुनी जा चुकी है। अंजीर के वृक्षों पर अंजीर पक चुके हैं और दाखलताओं पर खिले फूल अपने सौरभ बिखेर चुके हैं। उठ, मेरी प्रियतमा, मेरी सुन्दरी। आ, मेरे साथ चल। ओ मेरी कबूतरी! चट्टानों की दरारों में, सीधी ऊंची चढ़ाइयों के गुप्त स्थान में, मैं तेरा रूप देख पाऊं, मैं तेरी वाणी सुन पाऊं, क्योंकि तेरी वाणी मधुर है और तेरा रूप मनोहर है।"

आप में से कोई भी प्रभु से पीछे हटा हुआ है, तो खोये बेटे की तरह हो जाओ, जिसने फिर वापस पिता के पास आने का एक निर्णय ले लिया। लूका १५:१८–२० – मैं उठकर अपने पिता के पास जाऊंगा और उस से कहूँगा, 'हे पिता, मैंने स्वर्ग के विरोध में और तेरी दृष्टि में पाप किया है। मैं अब तेरा पुत्र कहलाने के योग्य न रहा, मुझे अपना एक मज़दूर समझकर रख ले"। वह उठकर अपने पिता के पास चला आया। परन्तु जब वह अभी दूर ही था, उसके पिता ने उसे देखा और उस पर तरस खाया, अतरू उसने दौड़ कर उसे गले लगाया और चूमा।

इसी तरह, हमें उठकर परमेश्वर के पास आ जाना चाहिए। इसके अलावा, हमें पवित्रता से परिपूर्ण होना चाहिए। तुम जो भी काम करते हो, प्रभु के साथ सहभागिता में रहो।

प्रकाशितवाक्य २२:११ – जो अन्याय करता है, वह अन्याय ही करता रहे। जो अशुद्ध है, वह अशुद्ध ही बना रहे। जो धर्मी है, वह धर्म के कार्य ही करता रहे। जो पवित्र है, वह पवित्र ही बना रहे। जब प्रेरित यूहन्ना ने हमारे प्रभु की उठने और आने की पुकार को स्वीकार कर लिया उसे स्वर्ग में आत्मा में लिया गया और आने वाले चीज़ों का उसपर प्रकाशण किया गया और उसने उन प्रकाशणों को लिखा जो उसे दिखाए गए थे ।

आज, कई नए लोग बचाए जा रहे है और कई अभिषेक प्राप्त करते हैं और कई भिन्न तरीकों से प्रभु की सेवा कर रहे हैं, और हमारे प्रभु येशु मसीह के आने के लिए तैयारी कर रहे हैं। दूसरी ओर, कई जो परमेश्वर के प्रेम को नहीं जानते है, एक मोहावस्था में हैं और सो रहे हैं।

इफिसियों ५:१४ – इस कारण वह कहता है, 'हे सोने वाले, जाग और मृतकों में से जी उठ, तो मसीह की ज्योति तुझ पर चमकेगी।" यह तुम्हारे उठने का और प्रकाशमान होने का समय है। आत्मा हमें शीघ्रता से उठने के लिए और प्रकाशमान होने के लिए चाहता है। यशायाह ६०:१ – उठ, प्रकाशमान हो, क्योंकि तेरा प्रकाश आ गया है, और यहोवा का तेज तुझ पर उदय हुआ है।

मूर्ख न हो, लेकिन अपने समय का उपयोग करने में बुद्धिमान और सावधान रहों।

इफिसियों ५:१५–१६ – इसलिए सावधान रहो कि तुम कैसी चाल चलते हो–निर्बुद्धि मनुष्यों के सदृश नहीं वरन् बुद्धिमानों के सदृश चलो। समय का पूरा पूरा उपयोग करो, क्योंकि दिन बुरे हैं।

प्रभु दुख में, कहता हैंरू "पर मुझे तेरे विरूद्ध यह है कि तू ने तेरा पहला–सा प्रेम छोड़ दिया है। प्रकाशितवाक्य २:४–५ – पर मुझे तेरे विरूद्ध यह कहना है कि तू ने अपना पहला–सा प्रेम छोड़ दिया है। इसलिए स्मरण कर कि तू कहा से गिरा है और मन फिरा और पहिले के समान कार्य कर – अन्यथा मैं तेरे पास आता हूं और यदि तू मन न फिराए तो तेरे दीपदान को उसके स्थान से हटा दूंगा।

यदि हम अपने आप को ठीक से जांचते तो दण्ड न पाते। तुम्हारी आत्मा प्रभु के साथ सिद्ध होने के लिए, अपनी नींद के भारीपन को छोड़ो और उठों और प्रभु के लिए प्रकाशित हो जाओं। तुम्हारे कान प्रभु की पुकार के लिए खुले रहने दो।

फिलिप्पियों ३:१४ – लक्ष्य की ओर दौड़ा जाता हूँ कि वह इनाम पाऊं जिसके लिए परमेश्वर ने मुझे मसीह येशु में ऊपर बुलाया है।

मेरे प्रिय लोगों, मैं आशा रखती हूँ कि यह संदेश आप को जागरित करेगा हमारे प्रभु की पुकार को सुनने के लिए और हम में से हर एक को प्रभु के आगमन की तैयारी करने के लिए, ताकि तुम और तुम्हारा परिवार एक खुशी का क्रिसमस पाएं।

परमेश्वर तुम सबको आशीष दें!

पास्टर सरोजा म.

हम उसके चुने हुए लोग हैं।

व्यवस्थाविवरण ३२रू९ – क्योंकि यहोवा का निज भाग तो उसकी प्रजा है, याकूब उसके उत्तराधिकार का निर्धारित भाग है। परमेश्वर के लोग उसका

धन हैं, जैसे हम शेयर बाजार में शेयर खरीदते हैं, परमेश्वर ने हमें शेयरों के रूप में खरीदा है। येशु ने अपने जीवन का बलिदान और अपने खून से हमें खरीदा है। उसने हमें अपना उत्तराधिकार (कलीसिया) बनाया है। इसलिए, केवल वह हम पर शासन करेगा और केवल उसकी इच्छा और योजना हमारे जीवन में स्थापित किया जाएगा।

निर्गमन १९ः५ – इसलिए अब यदि तुम निश्चय मेरी बात मानोगे और मेरी वाचा का पालन करोगे तो सब जातियों में से तुम ही मेरी निज सम्पत्ति बनोगे क्योंकि समस्त पृथ्वी मेरी है। प्रभु अपने छोटे झुंड को देखता है और उनसे कहता है कि ष्तुम मेरे प्यारे बच्चें, मेरे लोग हैं। तुम मेरे होष्। यह सच है कि यह पूरी दुनिया और उसमें लोग परमेश्वर के हैं। लेकिन हम उसके अपने कीमती बच्चे हैं, उसके अमूल्य खून से हमें खरीदा है। हम कितने भाग्यशाली हैं ष्उसके अपनेष् कहलाए जाने के लिए। व्यवस्थाविवरण ७ः६–७ – ष्तू अपने परमेश्वर यहोवा के लिए पवित्र प्रजा है; तेरे परमेश्वर यहोवा ने तुझे निज प्रजा होने के लिए पृथ्वी भर की सब जातियों में से चुना है। यहोवा ने जो तुझ से जो प्रेम किया और तुझ को चुना वह इसलिए नहीं कि तु अन्य सब जातियों के लोगों से संख्या में अधिक था, क्योंकि तू तो समस्त जातियों में सब से कम था। प्रभु परमेश्वर ने हमें चुना है और कहा है ष्मैं तुम्हारा पिता हूँ, तुम मेरे बेटे और बेटियां होंष्। हम उसकी झुंड हैं, बड़ी संख्या के लोगों में से चुने हुए नहीं हैं, लेकिन कम से कम लोगों में से। जब हम पापी ही थे, उसने हमें चुना, धोया, शुद्ध किया, पवित्र किया और हमें अपना स्वयं बनाने के लिए अपने तेल के साथ हमें अभिषेक किया है।

२ कुरिन्थियों ६ः१८ – और मैं तुम्हारा पिता होऊंगा और तुम मेरे बेटे और बेटियां होगे।ष् सर्वशक्तिमान प्रभु यह कहता है। हमारे सर्वशक्तिमान पिता का वादा यह है कि, अगर हम उसके प्यारे बेटें और बेटियाँ बनकर रहते हैं, इस दुनिया के अंत तक वह हमारा पिता बना रहेगा। उसकी व्यवस्था हमें तोड़ती हैं, हमें पिघला देती है, हमें आकार देती है, और एक बार फिर से हमें पूर्ण करती है। उदाहरण के लिए, जब महारानी विक्टोरिया छोटी थी, उसके माता–पिता ने उसे एक अज्ञात स्कूल में भेजा, एक छोटे शहर में, दूर प्रसिद्धि से क्योंकि वह भविष्य की रानी होने वाली थी। महारानी विक्टोरिया को इस तथ्य के बारे में पता भी नहीं था। एक दिन अपनी स्कूली शिक्षा के दौरान, इतिहास की कक्षा में वह उसके शाही वंश और उसकी उत्तराधिकार के बारे में सच सीखती है। सबक पढ़ने के समय वह जोर से हँसी, इसलिए उसकी

कक्षा शिक्षक ने उसे हँसने का कारण पूछा। उसने कहा कि मैं भविष्य कि रानी हूं। इसलिए मुझे ध्यान से और लगन से मेरे जीवन को जीना है, केवल तब लोग मुझे एक रानी के रूप में सम्मान करेंगे। उसी तरह, कितना अधिक सावधानी से हमें हमारे जीवन को जीना चाहिए ... ..हम राजाओं के राजा के बच्चे हैं, जो स्वर्ग और पृथ्वी का निर्माणकर्ता है। कभी कभी परमेश्वर हमें नम्र रखता है, हमारे भविष्य को हमें बताए बिना, कि उसने हमारे लिए क्या योजना बनाई है।

यूहन्ना १रू१२ – परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर की सन्तान होने का अधिकार दिया, अर्थात उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास करते हैं। परमेश्वर ने हमें उसके बच्चें बनने के लिए शक्ति दी है, केवल उन लोगों के लिए जो उसके नाम में विश्वास करते हैं। और विश्वास करने के लिए कि पवित्र शास्त्र रोमियों ८रू१७ में क्या कहता है – यदि हम सन्तान हैं तो उत्तराधिकारी भी – परमेश्वर के उत्तराधिकारी और मसीह के सह–उत्तराधिकारी जब कि हम वास्तव में उसके साथ दुख उठाते हैं कि उसके साथ महिमा भी पाएं। कि हमें उसके लिए पीड़ित होना चाहिए और उसके लिए मर जाना चाहिए, इसलिए कि ताज हमारा हो सके जब येशु अपने बच्चों को ऊपर उठाने के लिए महिमा में आएगा। इस दुनिया की कोई भी शक्ति उसके हाथ को रोक नहीं सकती है या उसके बच्चों के लिए उसके हाथ उठाए। केवल उसी के पास शक्ति है हमें उठाकर रखने के लिए, जहा वह चाहता है कि हम हों।

भजन संहिता ७३रू२६ – चाहे मेरा शरीर और मन दोनों हताश हो जाएं, फिर भी परमेश्वर सदा के लिए मेरे हृदय की चट्टान और मेरा भाग है। हमारा परमेश्वर, उसके दाहिने हाथ में सात तारे थे और सात सोने की दीवटों के बीच में चला, सात तारे सातों कलीसियाओं के दूत हैं और दीवटें सात कलीसियाएँ है.....क्या हम उस से छिप सकते है। वह हमारे कार्यों, मन और हृदय को जानता है। वह हमारे दिल की खोज करने वाला परमेश्वर है। कोई भी कभी भी उसके पास से छुप नहीं सकता हैं। उसकी ज्वलंत आँखें उसके बच्चों पर हमेशा से रहती हैं। वह बाहर से अंदर तक अपने बच्चों को जानता है। पवित्र शास्त्र भजन संहिता १४२रू५ में कहता हैं – हे यहोवा, मैं तुझे पुकार उठा, मैंने कहा, ष्तू मेरा शरणस्थान है, जीवितों की भूमि पर तू मेरा भाग है। हाँ, जब हम उसे पुकारते हैं वह हमें सुनेगा। केवल सुनेगा ही नहीं

परन्तु उत्तर भी देगा, वह हर स्थिति में हमारा शरण है। लेकिन हमें केवल श्विश्वास में उसे पुकारनेश की जरूरत है।

व्यवस्थाविवरण ३२रू१० – उसने उसे जंगल में, वरन् पशुओं के चीत्कार से भरी वीरान मरूभूमि में पाया। उसने उसके चारों ओर रहकर उसे सम्भाला और अपनी आँखों की पुतली के समान उसकी सुरक्षा की। परमेश्वर ने, हमें एक अच्छी जगह से बचाया नहीं हैं, लेकिन मिस्र के रेगिस्तान और जंगल से। वहां से वह इस्राएल की एक अच्छी उपजाऊ भूमि में हमें लगाया हैं। तब नहीं जब हम स्वस्थ और धनी थे, लेकिन जब हम बंधन में थे। छुड़ाया और हरी हरी चराई के साथ हमें आशिषित किया। हमारा परमेश्वर एक श्उद्धारकर्ताश है। आज, वह हमें उसके स्वयं का नाम दिया है, हम अपने पापी अतीत में लौटने के लिए प्रयास नहीं करना चाहिए। हम एक लड़के के उदाहरण को देखें की वह काम करने के बाद घर लौट रहा है, रास्ते पर चलते हुए, दिन रात में बदल गया, वह थक भी गया और नींद आ गया, और रास्ते के किनारे सो गया। लेकिन जब वह उठा उस पर उज्ज्वल सूरज चमक रहा था और वह खुद को ड़ाम्बर के रस्ते पर अटका पाया। (पिछले शाम को ताज़ा ड़ाम्बर लगाया गया था।) उसने मदद के लिए चिल्लाया, और बाहर खींच लिया गया, और वह उठकर घर वापस चलना शुरू कर दिया। आज भी हमारे जीवन कुछ इस के समान है, उदाहरण दिया है, जब तक हम चीखते नहीं हैं, प्रभु हमें फिर से नहीं बचाएगा। हमें विश्वास में उसे पुकारने की ज़रूरत है और मानना है की वह एक बार फिर से हमारे जीवन को पुनर्स्थापित कर सकता है।

हाँ, एक बार परमेश्वर हमें पुनर्स्थापित करता है, वह हमें उसकी आंखों का तारा बना देता है। तो हमें भी यत्न से हमारे जीवन की जाँच करना चाहिए, हमें अपने पापों में जारी नहीं रहना है, लेकिन आज परमेश्वर को पुकारना चाहिए ...मैला मिट्टी से हमें उद्धार देने के लिए और हमारा पैर चट्टान पर स्थापित करने के लिए, अर्थात परमेश्वर। याद रखें, हमारा परमेश्वर एक अच्छा परमेश्वर है, वह हमें क्षमा करके और छुड़ाने के लिए शीघ्रता करता है। वैसे ही जैसे हम पवित्र शास्त्र में उदाहरण देखते हैं, यरीहो को जा रहे उस आदमी को जिसे लूटा गया और पीटा गया, मार्ग के किनारे खून बहने के लिए छोड़ दिया गया था। हमारे अच्छे परमेश्वर ने, उसे उठाया उसके घावों को साफ़ किया, औषधि दाखरस लगाया और तेल से अभिषेक करके उसे

स्वस्थ करके वह लौटने तक उसे सुरक्षित स्थान में रखा। परमेश्वर तुम्हारे और मेरे लिए भी ऐसा ही करने वाला है, लेकिन हम उसका उद्धार स्वीकार करने के लिए हमारे दिल और दिमाग में केवल तैयार होना चाहिए।

हम देखें हाजिरा ने परमेश्वर को क्या नाम दिया था उत्पत्ति १६रू१३ में – तब यहोवा जिसने उस से बातें की थीं उसका नाम उसने ष्तू देखने वाला ईश्वर ष रखा और कहा, ष्क्या मैं उसे देखने के पश्चात भी जीवित रह सकी?ष परमेश्वर हमारा पिता है, हम उसके बच्चे हैं, वह हमारा छुड़ानेवाला है, वही जो हमारे हर कदम को देखता है। लूका १३रू१०–१३ – वह सब्त के दिन आराधनालय में उपदेश दे रहा था। देखो, वहाँ एक स्त्री थी जिसको अठारह वर्ष से एक दुष्टात्मा ने रोग–ग्रस्त कर रखा था; उसकी कमर मुड़कर दुहर गई थी और वह किसी प्रकार सीधी नहीं हो सकती थी। जब येशु ने उसे देखा तो अपने पास बुलाकर उस से कहा, ष्हे नारी, तू अपने रोग से मुक्त हो गई है।ष तब उसने उस पर हाथ रखा; वह तुरन्त ही सीधी हो गई और परमेश्वर की महिमा करने लगी। येशु ने १८ साल से एक दुर्बलता से पीड़ित महिला को चंगा किया, वह चंगा होने पर परमेश्वर की प्रशंसा किस प्रकार से की होगी। कोई एसी जो सीधे खड़े रहकर आसमान को देख नहीं सकती थी, आज सीधा खड़े होकर और अपने चंगाई पर अचंभा कर सकी। आज के बाद, वह परमेश्वर के नियम से बंधी है। यहां तक कि हम, जब हम अपने छुटकारे का अनुभव करते हैं, हम परमेश्वर के नियमों से बंध जाते हैं। वह हमारा पिता है और हम उसके बच्चे हैं। परमेश्वर अच्छा है और उसकी कृपा हम पर बहुतायत से है। दाऊद भी कहता हैं कि मैंने बहुत अनुभव किया है, लेकिन ज़्यादा नहीं बता सकता हूँ क्योंकि दुष्ट की आँखें हम पर हमेशा रहती है। इसी तरह, हमारे चर्च ने कई लड़ाइयां लड़ी है और उन सभी में जीत हासिल की है, केवल परमेश्वर की अनुग्रह के द्वारा। लेकिन प्रभु के सब अद्भुत कार्यों को कहा नहीं जा सकता, बुराई करनेवालों के विचारों और मन के कारण।

लूका १५रू२० – वह उठकर अपने पिता के पास चला आया। परन्तु जब वह अभी दूर ही था, उसके पिता ने उसे देखा और उस पर तरस खाया, अतः उसने दौड़ कर उसे गले लगाया और चूमा। इस शास्त्र में हम खोये हुए बेटे की कहानी को देखते हैं, दुनिया उसे कुछ भी नहीं देता, अंत में उसे सूअर का भोजन प्रदान करता है। लेकिन जब प्रभु उसके दर्द और दुख और

पछतावा दिल को देखता है, प्रभु उसे बचाता है। यहां तक कि परिवार के सदस्यों ने उसे नहीं पहचाना, उसकी शारीरिक स्थिति दयनीय थी, पहचान के बाहर। लेकिन जब वह घर लौटने का फैसला करता हैं, यह केवल उसका पिता है जो उसे पहचानता है और हाथ फैलाकर उसका स्वागत करता है। इसी तरह, हमारे परमेश्वर के हाथ, हाथ फैलाकर हमारे लिए रूके हुए है, वह हमेशा हमारे उसके पास लौटकर आने का इंतज़ार कर रहा है। क्योंकि केवल उसकी बाहों में हमारा चिरस्थायी और शांतिपूर्ण जीवन है।

व्यवस्थाविवरण ३२रू१२ – यहोवा ही ने उसकी अगुवाई की, उसके साथ कोई पराया देवता नहीं था। हमारा परमेश्वर, हमारे जीवन समय में केवल एक बार हमें वितरित नहीं किया, लेकिन, प्रतिदिन हमारे साथ चलता है, हमारे हाथ पकड़े और अपने पथ पर हमारी अगुवाई करता है। रोमियों ८रू१४ – क्योंकि वे सब जो परमेश्वर के आत्मा के द्वारा चलाए जाते हैं, वे परमेश्वर के सन्तान हैं। हाँ, उसके हाथ में हमारे जीवन को दे देंगे। केवल वही हमारा पिता है जो हमारा हाथ पकड़कर और प्रकाश के मार्ग में हमारी अगुवाई करेगा। प्रेरितों के काम १९रू२, ६ – उसने उनसे कहा, ष्क्या तुमने विश्वास करते समय पवित्र आत्मा पाया?ष उन्होंने उस से कहा, ष्नहीं, हमने तो सुना भी नहीं कि पवित्र आत्मा है।ष जब पौलुस ने उन पर अपने हाथ रखे तो पवित्र आत्मा उन पर उतरा, और वे भिन्न–भिन्न भाषा बोलने तथा नबूवत करने लगे। जब लोगों ने कहा कि वे पवित्र आत्मा क्या है जानते नहीं है, पौलुस ने उन पर हाथ रखे, आत्मा ने उन्हें भर दिया और वें परमेश्वर की महिमा करने लगे। वें तुरन्त प्रभु के बच्चें हो गए। इफिसियों १रू१३ – उसी में तुम पर भी, जब तुमने सत्य का वचन सुना जो तुम्हारे उद्धार का सुसमाचार है – और जिस पर तुमने विश्वास किया–प्रतिज्ञा किए हुए पवित्र आत्मा की छाप लगी। हाँ, अगर हमने भी परमेश्वर पर विश्वास और भरोसा किया है, हम पर भी पवित्र आत्मा का मुहर लग गया है। परन्तु हम में से उन लोगों के लिए जो पवित्र आत्मा पर विश्वास नहीं करते हैं, हमें पवित्र शास्त्रों के माध्यम से चेतावनी दी गई हैं, इफिसियों ४रू३० – परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित मत करो, जिस से तुम पर छुटकारे के दिन के लिए छाप दी गई है। आज, हम में से कोई भी पवित्र आत्मा पर विश्वास नहीं करता हैं, तो हमें पौलुस द्वारा दी गई चेतावनी पर ध्यान देना चाहिए।

लूका ८रू२७–२९ – जब वह किनारे पर उतरा तो उसे उस नगर का एक मनुष्य मिला जिसमें दुष्टात्माएं थी। वह बहुत दिनों से न कपड़े पहिनता था न घर में रहा करता था, परन्तु क़ब्रों में ही रहता था। येशु को देखकर वह चिल्ला उठा और उसके सामने गिरकर ऊंची आवाज में उसने कहा, ष्हे सर्वोच्च परमेश्वर के पुत्र येशु, मेरा तुझ से क्या काम? मैं तुझ से निवेदन करता हूं कि तू मुझे यातना न दे।ष् वह तो अशुद्ध आतमा को आज्ञा दे रहा था कि उस मनुष्य में से निकल जाए, क्योंकि बहुत बार उसने उस मनुष्य को पकड़ा था। लोग उसे सांकलों और बेड़ियों से बांधकर पहरे में रखते थे, फिर भी वह इन बन्धनों को तोड़ डालता था और दुष्टात्मा उसे जंगल में भगाए फिरती थी। जब शैतान पुरुषों पर हमला करता है, तो वे उसकी तरह बर्ताव करने लगते हैं। परन्तु परमेश्वर के बच्चों को केवल परमेश्वर की इच्छा के अनुसार व्यवहार करना चाहिए। जब हम पापी थे, हमने परमेश्वर के नियमों के विरुद्ध सभी गलत काम किए हैं, लेकिन जब अब हम उसके बच्चे हैं, हम केवल उसके नियमों से बंधे हैं। इस में कोई ढ़ील नहीं है। हम दिल की इच्छाओं का पालन नहीं कर सकते हैं, सांसारिक तरीके केवल हमें परमेश्वर से दूर ले जाएगा। लेकिन हम उसके प्रेम और कृपा से बंधे हुए हैं।

भजन संहिता ११९रू१०५ – तेरा वचन मेरे पांव के लिए दिपक, और मेरे मार्ग के लिए उजियाला है। हमारा जीवन, परमेश्वर के वचन के अनुसार नेतृत्व किया जाना चाहिए, वचन हमें परमेश्वर के तरीके सिखाएगा। भजन संहिता ३२रू८ – मैं तुझे बुद्धि दूँगा और जिस मार्ग पर तुझे चलना है उसमें तेरी अगुवाई करूंगा, मैं अपनी दृष्टि तुझपर लगाए रखकर तुझे सम्मति दूंगा। प्यार से परमेश्वर ने अपने आँखों से हमें मार्गदर्शन करने का वादा किया है, अर्थात जब वह चाहता है कि हम दाई और मुड़े, तो हमें दाई और मुड़ना चाहिए और जब वह कहता है बाई ओर, तो हमें बिना प्रश्न पुछे बाई ओर मुड़ना चाहिए।

यूहन्ना १६रू१३ – परन्तु जब वह, अर्थात सत्य का आत्मा आएगा, तो वह तुम्हें सब सत्य का मार्ग बताएगा, क्योंकि वह अपनी ओर से कुछ नहीं कहेगा, परन्तु जो कुछ सुनेगा, वही कहेगा, और आने वाली बातों को तुम पर प्रकट करेगा। परमेश्वर हमें बुद्धि, समझ और ज्ञान देता है। वह हमारे सलाहकार है। परमेश्वर का वचन हमारे पांव के लिए दिपक, और हमारे मार्ग के लिए उजियाला है। प्रकाशितवाक्य की किताब में पवित्र शास्त्र कहता है, जो

अन्याय करते हैं, उन्हें अन्याय करने दो, जो पाप करते हैं, उन्हें पाप करते रहने दो, और जो अच्छाई करते हैं, उन्हें अच्छाई करते रहने दो, हर एक को उनके कामों के अनुसार प्रतिफल दिया जाएगा। न्याय करनेवाला एक दिन उसके साथ हमारा प्रतिफल ले आएगा। तो प्रभु के साथ उसके प्रकाश में चलना जारी रखें।

यूहन्ना १६रू८ – और जब वह आएगा तो संसार को पाप और धार्मिकता और न्याय के विषय में निरूत्तर करेगा। जब येशु आएगा, वह अधर्मी को दोषी सिद्ध करेगा और उन्हें जलने वाले नरक की आग में फेंक देगा। और धर्मी – उसके चुने हुओ को वह अपने राज्य के लिए इकट्ठा करेगा। यशायाह ११रू२ – तब यहोवा का आत्मा, बुद्धि और समझ का आत्मा, युक्ति और पराक्रम का आत्मा वरन्‌ ज्ञान और यहोवा के भय का आत्मा उस पर छाया रहेगा। और जैसे पवित्र शास्त्र वादा करता है, परमेश्वर का पवित्र आत्मा हमेशा हमपर बना रहेगा। व्यवस्थाविवरण ३२रू१३ – उसने उसको पृथ्वी के ऊँचे स्थानों पर सवार कराया, उसने उसे खेतों की उपज खिलाई, उसने उनको चट्टान में से मधु वरन्‌ चकमक की चट्टान में से तेल चुसाया। हमारा प्रभु, हमारा उद्धारक, हमें हर दिन उसके साथ ऊंचे स्थानों में चलाता है, हमारे हाथों के काम को आशिषित करता है, हमारे हर जरूरत को संतुष्ट करता है और श्उसकी आँखों के पुतलीश के रूप में हम पर निगरानी रखता है। लेकिन याद रखे, हमें हमेशा हमारे प्रभु के सामने विनम्र होने की जरूरत है, अर्थात ... हम पवित्र शास्त्र में देखते हैं, जब लूसिफ़ेर खुद की महिमा करना शुरू किया, परमेश्वर ने उसे स्वर्ग से लात मारकर इस दुनिया में भेजा और उसके साथ मे १/३ गिरे स्वर्गदूतों को लाया। और आज उन्होंने दुनिया पर विजय प्राप्त की है। इसलिए, परमेश्वर ने पापों अर्थात ... घमंड़, अहंकार, झूठ बोलनेवाले होठ, जानलेवा रवैया, व्यभिचारी स्वभाव, नीच बुद्धि के खिलाफ हमें चेतावनी देता हैं। हम इन सभी से, ऊपर आचरणों से सावधान रहना चाहिए, अगर हम हमारे भीतर यह सब पाते है, हमें परमेश्वर से इसे हमारे दिल से उखाड़ने के लिए पूछना चाहिए। क्योंकि, हम में से एक भी न्याय के दिन से बच नहीं सकता हैं, हम सभी को उस दिन परमेश्वर के सम्मुख खड़ा होना है।

यहूदा १रू१५ – २१ – कि सब का न्याय करे, और सब भक्तिहीनों को उन के सब अभक्ति के काम जो उन्होंने भक्तिहीन होकर किए, और उन सब कठोर बातों के विषय में जो भक्तिहीन पापियों ने उसके विरोध में कही हैं,

दोषी ठहराए।” ये कुड़कुड़ाने वाले, दोष ढूंढ़नेवाले, अपनी वासनाओं के अनुसार चलने वाले, घमण्ड भरी बातें करने वाले और अपने लाभ के लिए लोगों की चापलूसी करने वाले लोग है। पर हे प्रियो, तुम उन बातों को अवश्य स्मरण रखो जिन्हें हमारे प्रभु येशु मसीह के प्रेरित पहिले ही से कह चुके हैं। वे तुम से कहा करते थे, “अन्त के दिनों में ऐसे ठट्ठा करने वाले होंगे जो अपनी अभक्तिपूर्ण बुरी अभिलाषाओं के चलाए चलेंगे।” ये वे है जो फूट डालते हैं। ये सांसारिक एवं आत्मारहित है। पर हे प्रियो, तुम अपने अति पवित्र विश्वास में गठकर, पवित्र आत्मा में प्रार्थना करते हुए, अपने आपको परमेश्वर के प्रेम में बनाए रखो, और अनन्त जीवन के लिए उत्सुकता से हमारे प्रभु येशु मसीह की दया की बाट जोहते रहो।

अंत में, इस कलिसिया में हर प्रशंसा, आदर और महिमा, केवल हमारे परमेश्वर के लिए होना चाहिए। कोई भी इंसान उसकी महिमा को ले नहीं सकता हैं। हमें परमेश्वर को धन्यवाद करते रहना चाहिए और हम पर उसकी करुणा, दया और कृपा के लिए परमेश्वर की स्तुति करना चाहिए और की अपने प्यार से हमें बाँधे। हम परमेश्वर का धन्यवाद करते है की उसकी आत्मा उसके हर सेवा में हमारी अगुवाई करती है। चाहे बुराई हमारे दिल और दिमाग को विचलित करती है, उदाहरण के लिए मीठा आलू की कहानी, हमें कभी बहकना नहीं चाहिए। जब हम सच्चाई को जानते है, तो सच्चाई हमें स्वतंत्र करेगी। सत्य यह है की कि परमेश्वर ने हमें छुड़ाया है, हमें धोया, हमें शुद्ध किया और उसके बच्चों होने के लिए हमें अभिषेक किया है। केवल वही हमें मदद करेगा कि हम उसके बाहों में सुरक्षित रहे और हमें और हमारे चर्च के आसपास उसकी पवित्र बाड़ डाल दे। प्रार्थना करो कि यह संदेश चंगा करके, हमारे विश्वास को मजबूत करेगा और हम प्रभु के साथ मजबूती से चलते रहना चाहिए। यह संदेश हमारे जीवन में महान आशीष लाए।

पास्टर सरोजा म.